मुर्गी के तीन चूज़े

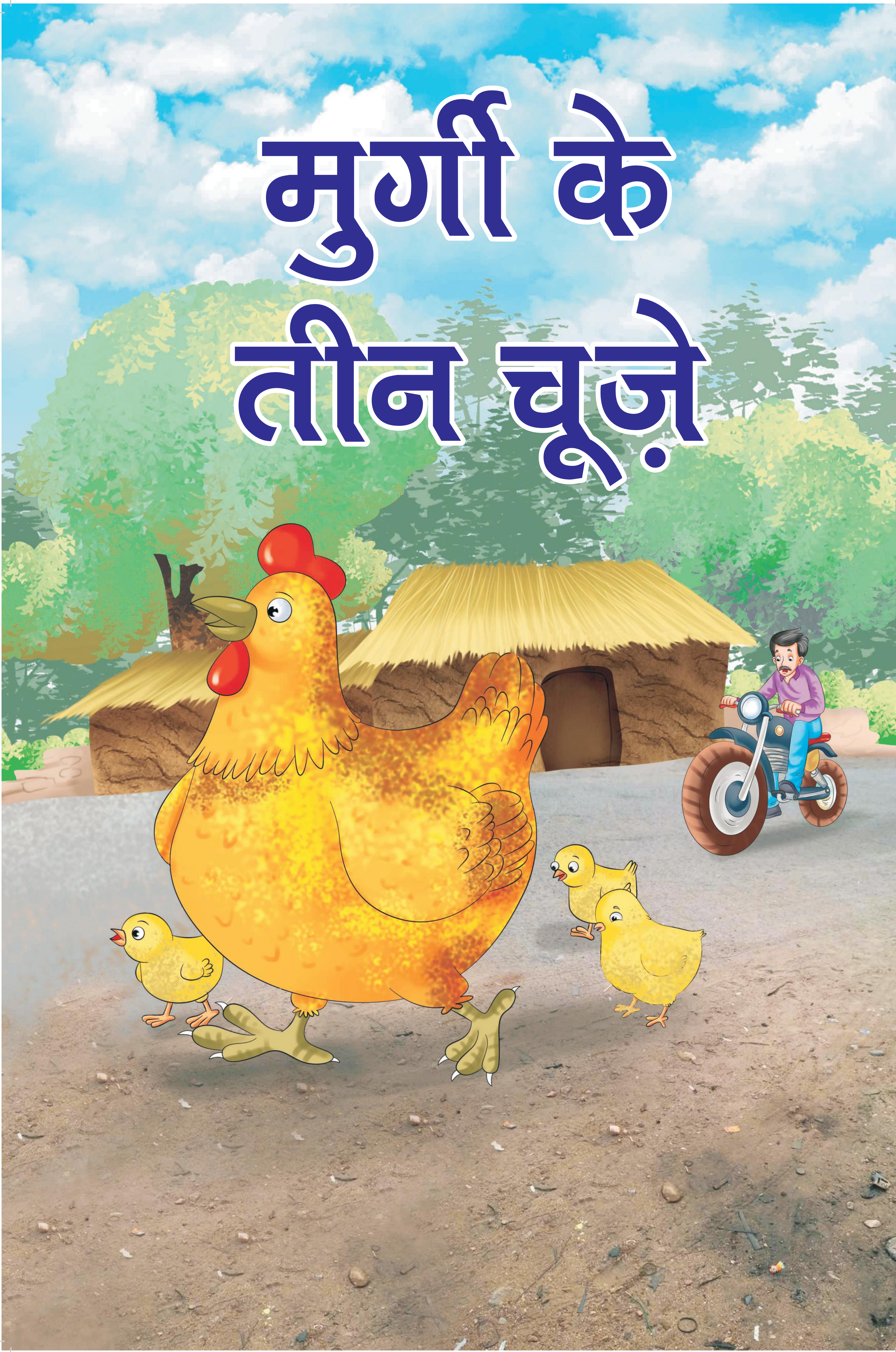

एक मुर्गी थी। उसके तीन चूज़े थे।

मुर्गी बोली कूकड़ू-कू।
तीनों चूज़े भी बोले कूकड़ू-कू।

मुर्गी दीवार पर चढ़ी।

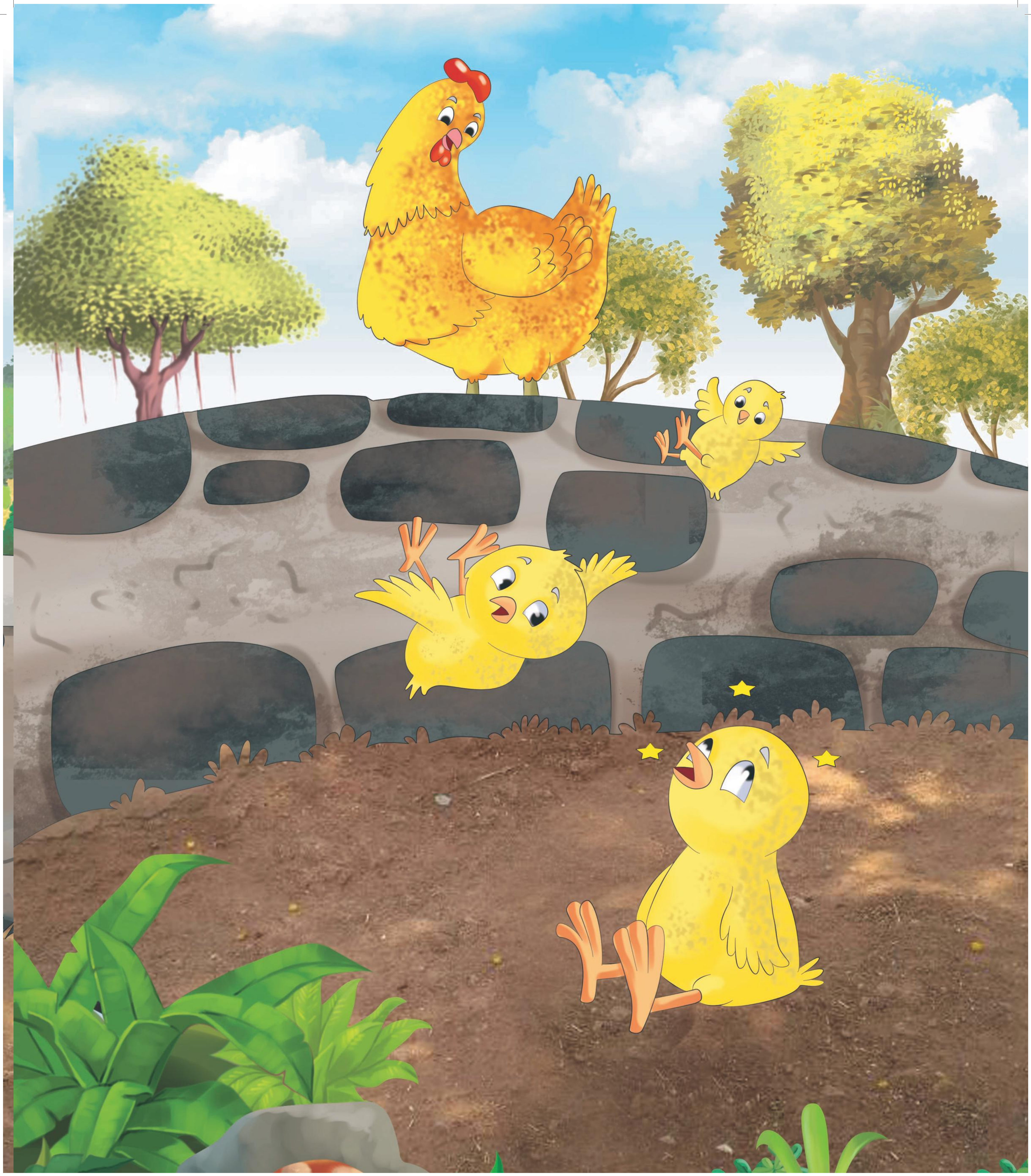

तीनों चूज़े भी दीवार पर चढ़ने लगे। लेकिन धम्म से फिसल गए।

तीनों चूज़े फिर से चढ़ने लगे।
तीनों चूज़े भी दीवार पर चढ़ गए।

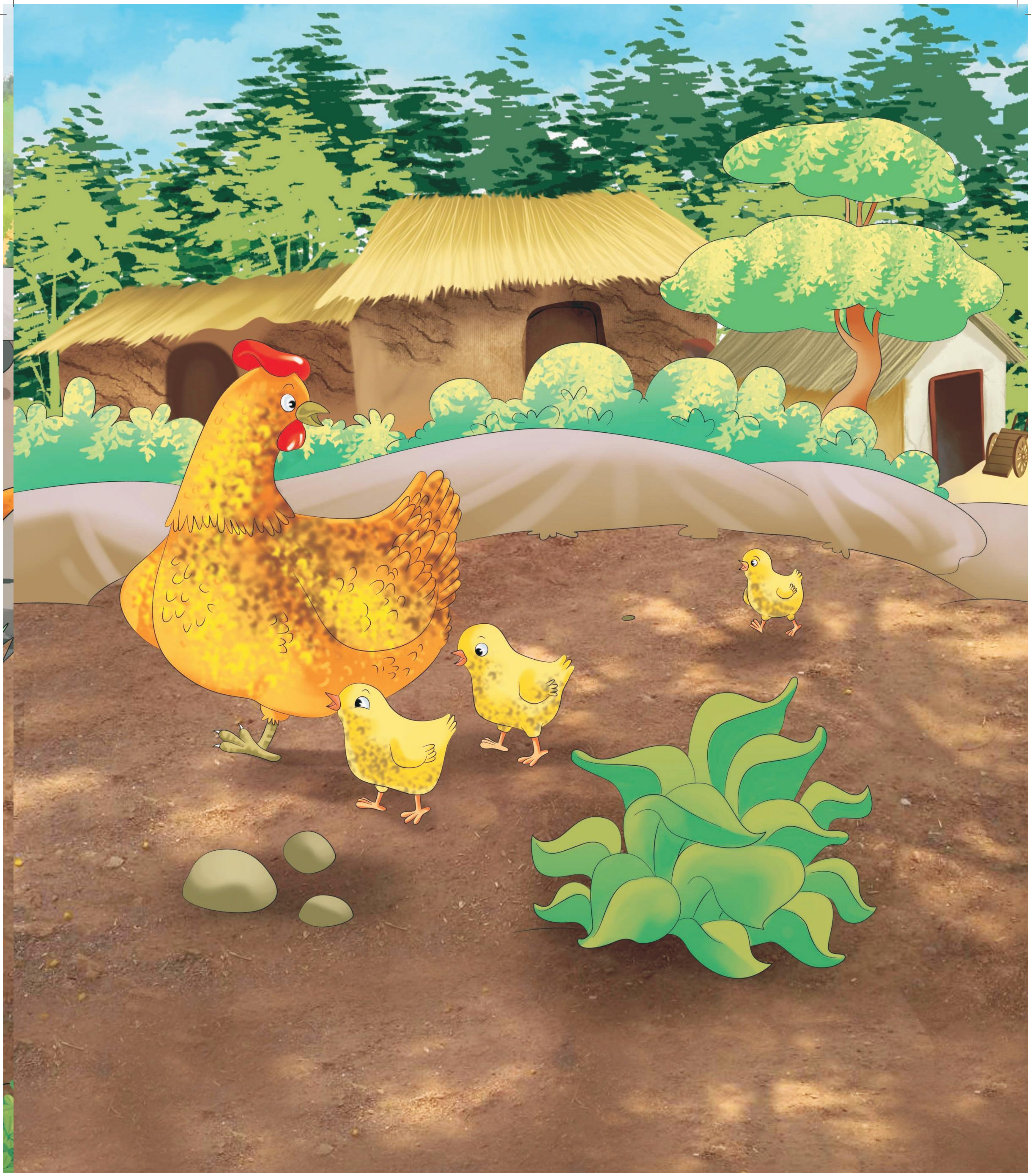

सब सड़क पर चलने लगे।
छोटा चूज़ा पीछे रह गया।

तभी एक मोटरसाईकिल आई।
छोटा चूज़ा चिल्लाया।

मुर्गी बोली– देखकर चलो भाई।
दोनों चूज़े भी बोले– देखकर चलो भाई।

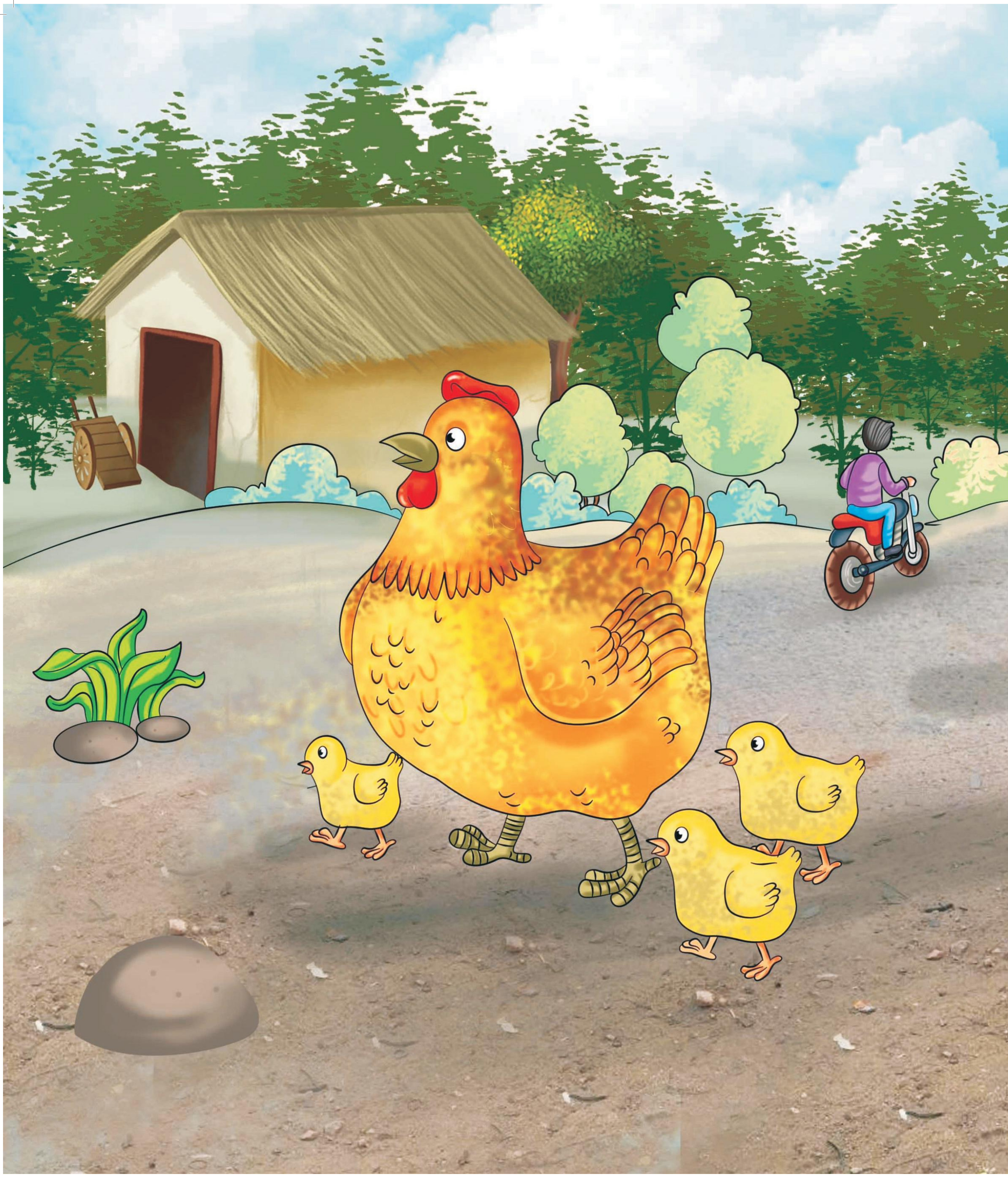

मुर्गी आगे बढ़ गई।
तीनों चूज़े भी आगे बढ़ गए।

मुर्गी के तीन चूज़े

एक मुर्गी थी। उसके तीन चूज़े थे। मुर्गी बोली कूकड़ू-कू। तीनों चूज़े भी बोले कूकड़ू-कू। मुर्गी दीवार पर चढ़ी। तीनों चूज़े भी दीवार पर चढ़ने लगे। लेकिन धम्म से फिसल गए। तीनों चूज़े फिर से चढ़ने लगे। तीनों चूज़े भी दीवार पर चढ़ गए। सब सड़क पर चलने लगे। छोटा चूज़ा पीछे रह गया। तभी एक मोटरसाईकिल आई। छोटा चूज़ा चिल्लाया। मुर्गी बोली- देखकर चलो भाई। दोनों चूज़े भी बोले- देखकर चलो भाई। मुर्गी आगे बढ़ गई। तीनों चूज़े भी आगे बढ़ गए।

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF
Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP